सत्यमेव जयते

रोज़गार समाचार

www.rojgarsamachar.gov.in
www.employmentnews.gov.in

साप्ताहिक

अंग्रेजी एवं उर्दू में भी प्रकाशित
(वार्षिक शुल्क : ₹ 350)

खण्ड 37 अंक 33 पृष्ठ 48 | नई दिल्ली 17-23 नवंबर 2012 | ₹ 8.00

रोज़गार सारांश

जे.एन.यू

● जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय को प्रोफेसर, असोशिएट प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर के 164 पदों की आवश्यकता .
अंतिम तारीख: प्रकाशन से तीस दिन बाद.

ट्राइफेड

● भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास परिसंघ लिमिटेड द्वारा महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक, सेल्स एग्जिक्यूटिव, वरिष्ठ लेखाकार, वरिष्ठ सहायक, सहायक प्रबंधक आदि के 77 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित.
अंतिम तारीख: 17-12-2012

एच ए एल

● हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड को 23 चिकित्सा अधीक्षक/वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी और उप प्रबंधकों की आवश्यकता
अंतिम तारीख: 30-11-2012

रेलवे

● दक्षिण-पूर्वी मध्य रेलवे में विभिन्न विषयों के लिए 22 खिलाड़ियों की भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित.
अंतिम तारीख: 17-12-2012

सी डब्ल्यू सी

● सेंट्रल वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन, नई दिल्ली में महाप्रबंधक, सहायक महाप्रबंधक और प्रबंधकों के 19 पदों हेतु आवेदन आमंत्रित.
अंतिम तारीख: 10-12-2012

बी एच यू

● बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षण और गैर शिक्षण पदों के लिए आवेदन आमंत्रित.
अंतिम तारीख: 30-11-2012

बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों, सशस्त्र सेनाओं रेलवे और अन्य सरकारी विभागों की अन्य रिक्तियों के लिए अंदर के पृष्ठ देखें.

मानव संसाधनों में रोज़गार के अवसर

—नीरज जैन

मानव संसाधन यानी एचआर से संबद्ध व्यवसायियों की आज काफी मांग है. छोटे घरेलू किस्म के संगठनों से लेकर बहुराष्ट्रीय निगमों तक, सभी के बीच गुणवत्तापूर्ण एचआर व्यवसायियों को अपने एचआर विभागों में भरने की एक होड़ लगी है. यह प्रश्न विचारणीय है कि यह होड़ 'अति प्रचार' पर आधारित है या 'जरूरत' पर.

कारपोरेट विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में कम्पनियों के बीच 'मानव पूंजी/व्यक्तियों/कार्मिकों' को लेकर संघर्ष होने की संभावना है. यही वजह है कि प्रतिभा के लिए इस होड़ को जीतने के लिए बुद्धिमान संगठन एचआर व्यवसायियों की गुणवत्ता के रूप में सक्षम अधिकारियों को आकर्षित करते हैं, विकसित करते हैं और उन्हें अपने साथ बने रहने का प्रयास करते हैं. प्रबंधन जगत के विकास के साथ आज कारपोरेट प्रतिस्पर्धा में लाभ प्राप्त करने के एकमात्र स्त्रोत के रूप में 'धन' या पूंजी की बजाय 'मानव' पर अधिक ध्यान (काफी हद तक) केन्द्रित किया जा रहा है. अतः इस अद्भुत सफलता वाले एचआर व्यवसाय में रोजगार के अवसर तलाशने का 'आज' सबसे उपयुक्त समय है.

व्यवसाय का प्रारम्भिक चयन करने वालों के लिए 'एचआर' मानव संसाधन का पर्यायवाची है. इस 'लोक प्रबंधन' के लिए अन्य समानार्थक शब्द हैं 'एचआरडी' यानी मानव संसाधन विकास, मानव संसाधन प्रबंधन (एचआरएम) और मानव पूंजी प्रबंधन (एचसीएम).

एचआर जगत:

मानव संसाधन विकास व्यवसायियों का कार्यवातावरण उन लोगों के इर्द-गिर्द घूमता है, जो मुख्य रूप से उनके कार्यस्थल से संबद्ध होते हैं अथवा भविष्य में उनके कार्यस्थल से जुड़ने की संभावना होती है. एचआर व्यवसायियों के कार्यक्षेत्र से संबद्ध कुछ महत्वपूर्ण कार्य इस प्रकार हैं:-

- भर्ती
- चयन
- नियुक्तियां
- स्थानांतरण
- प्रशिक्षण
- कोचिंग
- वेतन और पारिश्रमिक
- कार्य निष्पादन मूल्यांकन
- वेतन वृद्धियां और पदोन्नतियां
- व्यवसाय और उत्तराधिकार आयोजना
- नियोक्ता ब्रैंडिंग
- कर्मचारी कल्याण
- व्यावसायिक जीवन की गुणवत्ता
- प्रबंधन परिवर्तन
- कर्मचारी संबंध
- औद्योगिक संबंध
- कर्मचारी परामर्श
- कर्मचारी प्रतिधारण

इस प्रकार किसी संगठन के आकार के अनुसार एचआर व्यवसायी को उपरोक्त सभी कार्य सौंपे जा सकते हैं अथवा उसे एक या कई कार्य संयुक्त रूप से करने पड़ सकते हैं.

एच आर व्यवसायियों की मांग

एचआर व्यवसायियों को 'पीपल स्टाल्वर्ट्स' यानी लोक विशेषज्ञ कहा गया है, जिनकी आवश्यकता विनिर्माण और सेवा दोनों ही क्षेत्रों से संबद्ध संगठनों को समान रूप से होती है. यह सही है कि इस दशक में एचआर को व्यवसाय के रूप में चुनने वाले व्यक्तियों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है, फिर भी उत्कृष्ट व्यवसायियों का आज नितांत अभाव है.

अपेक्षित योग्यताएं

यह देखा गया है कि इस 'लोक उद्योग' में बेहतर नियंत्रण के लिए मानव संसाधन यानी एचआर संबंधी विशुद्ध तकनीकी कौशल से भी महत्वपूर्ण अंतर-वैयक्तिक कौशल रखने वाले व्यवसायी अधिक कामयाब होते हैं. इन 'लोक प्रबंधकों' में 'अनुकूलशीलता' का गुण दुर्लभ समझा जाता है. संभवतः यही कारण है कि इस क्षेत्र में महिलाएं कारपोरेट जगत में वर्चस्व कायम करती जा रहीं हैं. 'व्यापार रुझान' के साथ एचआर कौशल रखने वाले पुरुष इस क्षेत्र में कामयाबी हासिल कर रहे हैं. अकसर 'आंतरिक विपणन' या विभागीय विपणन कहा जाने वाला यह उद्योग मानव संसाधन प्रतिभाओं के लिए समान अवसर प्रदान करने वाला नियोक्ता है.

रोज़गार के अवसर और वेतन पैकेज

इन 'लोक लुभावकों' का पारिश्रमिक अनेक घटकों पर निर्भर करता है और योग्य व्यवसायियों के मार्ग में पारिश्रमिक कभी बाधा नहीं बनता. उत्कृष्ट शैक्षिक संस्थान का विद्यार्थी होना काफी मददगार साबित होता है. 'अध्यवसाय' को इस क्षेत्र में सफलता की एक अन्य कुंजी समझा जाता है. एक स्मार्ट एचआर व्यवसायी के लिए अवसर हमेशा उपलब्ध रहते हैं. विक्रेता बाजार में राष्ट्रीय स्तर पर घरेलू पैकेज तीन लाख रुपये वार्षिक से लेकर 18 लाख रुपये वार्षिक तक मिल सकता है. इसमें उत्कृष्टतम संस्थानों से निकले विद्यार्थी अधिक पारिश्रमिक पाने में कामयाब होते हैं. विदेश में नियुक्तियों के अवसर भी असंभव नहीं होते हैं.

कुछ संस्थानों की सूची

भारत में कुछ उत्कृष्ट संस्थान, जो विशेषज्ञतापूर्ण एचआर पाठ्यक्रमों का संचालन करते हैं और जिनके विद्यार्थियों की मांग प्रमुख उद्योगों द्वारा की जाती है, इस प्रकार हैं:

- टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस), मुंबई
- ज़ेवियर लेबर रिलेशन्स इंस्टिट्यूट (एक्सएलआरआई), जमशेदपुर
- सिम्बिओसिस इंस्टिट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एसआईबीएम), पुणे
- ज़ेवियर इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (एक्सआईएसएस), रांची
- सिम्बिओसिस सेंटर फॉर मैनेजमेंट एंड ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट (एचसीएमएचआरडी), पुणे
- इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट, नई दिल्ली
- मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट, गुड़गांव
- इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, गाजियाबाद

कुछ अन्य उत्कृष्ट बी-स्कूल भी हैं, जो अपने विभिन्न शैक्षिक पाठ्यक्रमों में एचआर को विशेषज्ञता के विकल्प के रूप में प्रस्तावित करते हैं. इनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम)
- एस पी जैन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (एसपीजेआईएमआर), मुम्बई
- जमनालाल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़ (जेबीआईएमएस), मुम्बई
- शैलेश जे मेहता स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (एसजेएमएसओएम), आईआईटी, मुम्बई
- फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट ऑफ स्टडीज़ (एफएमएस), डीयू, दिल्ली
- गोवा इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, गोवा

उपरोक्त सूचियां संकेतात्मक हैं. इनके अलावा कई प्रतिष्ठित केन्द्रीय, राज्य स्तरीय और राज्य सरकारों से मान्यता प्राप्त प्राइवेट विश्वविद्यालय भी इस विषय में चुनौतीपूर्ण पाठ्यक्रम संचालित करते हैं. वास्तव में सेवारत कर्मचारियों और गृहणियों के लिए पार्टटाइम/डिस्टेंस लर्निंग/ओपन लर्निंग/ई-लर्निंग जैसे माध्यम भी अनूठे और महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम संचालित करते हैं.

चुनौतियां

शिक्षण के इन मंदिरों से गुजरना किसी भी व्यक्ति के जीवन में ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में सामने आता है. इन संस्थानों में प्रवेश पाना एक बड़ी चुनौती होती है. उनमें बने रहना और सफलता प्राप्त करना अग्नि परीक्षा से कम नहीं है. आप को निश्चित रूप से बुद्धिमता के इन संस्थानों के लिए प्रयास करना चाहिए ताकि सफलता के मीठे फल चख सकें.

यदि आप एचआर के क्षेत्र में प्रवेश के इच्छुक हैं तो कठिन परिश्रम के लिए भी आपको तैयार रहना चाहिए. आपको यह हमेशा याद रखना चाहिए कि एचआर का यह क्षेत्र बहादुर सेनानियों के लिए है और कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है. यह क्षेत्र दिवा-स्वप्न देखने वालों के लिए नहीं है, बल्कि उनके लिए है जो कठिन परिश्रम के लिए पूरी तरह तैयार हैं. एचआर जगत की गणना आज देने वाले क्षेत्र के रूप में की जाती है न कि लेने वाले के रूप में. आज यह क्षेत्र व्यवसाय के रूप में सर्वाधिक मांग किए जाने वाले क्षेत्रों में से एक बनकर उभरा है. यह संभव हो पाया है क्योंकि निष्ठावान एचआर व्यवसायियों ने इसके लिए प्रयत्न किए हैं.

(लेखक जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में प्रशिक्षक हैं. ई-मेल: neeraj.jain@juet.ac.in).

एसएमएस रोज़गार अलर्ट

एम्प्लॉयमेंट न्यूज़/रोज़गार समाचार की पहुंच बढ़ाने के लिए, ग्राहकों के लिए ई-संस्करण की शुरुआत की गई है. आगे और भी ज्यादा पहुंच बढ़ाने के लिए एवं नौकरी से संबंधित मुख्य सूचनाओं को जल्दी से मुहैया करवाने के लिए रोज़गार समाचार की ओर से **'एसएमएस रोज़गार अलर्ट'** सुविधा की शुरुआत हो गई है.

रोज़गार समाचार ने पहले से ही वेबसाइट पर नोटिस के द्वारा मोबाइल नम्बरों का एक वृहत्त डाटाबेस तैयार कर लिया है. नियमित ग्राहकों को प्राथमिकता दी जायेगी.

इस सुविधा को प्राप्त करने के लिए:

(i) रोज़गार समाचार की वेबसाइट पर जाएं: **www.employmentnews.gov.in/ www.rojgarsamachar.gov.in**

(ii) एसएमएस रोज़गार अलर्ट पर क्लिक करें

(iii) पंजीकरण करें अपना

1. नाम ---------- 2. फ़ोन नं. ----------
3. पता ---------- 4. ई-मेल आई डी ----------

5. रोज़गार अलर्ट का विकल्प (कोई दो चुनें)

(क) सरकारी/सिविल सेवाएं (ख) बैंकिंग/वित्त
(ग) रक्षा/अर्द्ध सैनिक बल (घ) अभियांत्रिकी